कोविड 19 के दृष्टिगत माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ0प्र0 द्वारा संचालित पाठ्यक्रम को लगभग 30 प्रतिशत तक कम करने के पश्चात् शेष पाठ्यक्रम का सत्र 2021–22 हेतु अध्यायवार मासिक शैक्षिक पंचांग

सत्र 2021–22

कक्षा 12

विषय संगीत (गायन)

क्रम	माह	पाठ्यक्रम	खण्ड क, ख
1	मई	**20 मई से शिक्षण कार्य प्रारम्भ** राग वृन्दावनी सारंग–विस्तृत अध्ययन–पूर्ण परिचय, आरोह–अवरोह पकड़, आलाप, छोटाख्याल स्वरलिपि सहित उचित आलाप तान, मुर्की एवं अन्य लयपूर्ण ताल बद्ध निस्तारण के साथ गाने की योग्यता।	(ख)
2	जून	अशं, न्यास, अल्पत्व–बहुत्व, तान एवं तान के प्रकार। राग वृन्दीवनी सारंग की तानों का अभ्यास। गायन शैलियां और प्रकार–ध्रुपद, घमार की परिभाषा उदाहरण सहित।	(क) (ख) (ख)
3	जुलाई	राग गौड़ सारंग का सामान्य अध्ययन–परिचय आरोह–अवरोह, पकड़,छोटा ख्याल स्वरलिपि सहित लिखने एवं गाने तथा राग पहचानने का अभ्यास। भारत की हिन्दुस्तानी और कर्नाटक पद्धतियो के स्वरों एवं श्रुतियों का तुलनात्मक अध्ययन। ख्याल (विलम्बित और द्रुत ख्याल) उदाहरण सहित।	(ख) (ख)
4	अगस्त	राग केदार का विस्तुत अध्ययन–पूर्ण परिचय आरोह–अवरोह पकड़, आलाप, छोटाख्याल–स्वर लिपि सहित उचित, आलाप, तान, मुर्की एवं अन्य लय पूर्ण तालबद्ध विस्तारण के साथ गाने की योगयता। तीनताल और झपताल का परिचय एक गुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का ज्ञान। टप्पा, ठुमरी और तराना का परिचय उदाहरण सहित। राग के दार की तानों का अभ्यास।	(ख) (ख) (ख) (ख)
5	सितम्बर	तानपुरे के विभिन्न अगों का ज्ञान, उसको मिलाने की विधि उसके अधि स्वर आदि का विशेष अध्ययन। राग पूर्वी का सामान्य अध्ययन– परिचय, आरोह–अवरोह, पकड़ छोटाख्याल–स्वर लिपि लिखने एवं गाने का ज्ञान। ग्वालियर घराने की विशेषता। एक ताल का परिचय एक गुन दुगुन, तिगुन, चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास।	(क) (ख) (ख)
6	अक्टूबर	संगीत सम्बन्धी विषय पर निबन्ध। राग जौनपुरी का विस्तृत अध्ययन–पूर्ण परिचय, आरोह–अवरोह पकड़, आलाप, छोटाख्याल स्वरलिपि सहित उचित आलाप तान, मुर्की, कण एवं अन्य लय विस्तारण के साथ गाने का ज्ञान। भारतखण्डे और विष्णुदिगम्बर जी का जीवन परिचय एवं संगीत मे योगदान। प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम के रागों की विशेषताएँ। चारताल का पूर्ण परिचय–एक गुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास।	(ख) (ख) (ख) (ख)
7	नवम्बर	भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास(मध्य एवं आधुनिक काल) **अर्धवार्षिक परीक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन।** **अर्धवार्षिक परीक्षा की लिखित परीक्षा का आयोजन।**	(ख)

8	दिसम्बर	राग हमीर का सामान्य अध्ययन–परिचय, आरोह–अवरोह पकड़, छोटाख्याल स्वरलिपि सहित, लिखने एवं गाने का अभ्यास। गोपाल नायक, पं0 जसराज और एम0एम0 सुब्बालक्ष्मी का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान। धमार ताल का परिचय–एक गुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। छोटे–छोटे स्वर समुदायों द्वारा राग को पहचानकर अनकी बढ़त करने की योग्यता। खण्ड (ख)	(ख) (ख) (ख)
9	जनवरी	पाठ्यक्रम के प्रस्तावित सभी रागों एवं तालों की पुनरावृत्ति, उसके साथ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। **प्री–बोर्ड प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन।**	
10	फरवरी	**प्री–बोर्ड की लिखित परीक्षा का आयोजन।** **बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन।**	
11	मार्च	**बोर्ड परीक्षा का आयोजन।**	
		कोविड 19 महामारी के कारण 30 पाठ्यक्रम कम किया गया पाठ्यक्रम	
		खण्ड 'क' (संगीत विज्ञान)	
	इकाई 1	श्रुतियां, वीणा के 36'' तार पर शुद्ध स्वरों की स्थापना।	
	इकाई 2	पूर्व राग, उत्तर राग, सन्धि प्रकाश राग, आश्रम राग परमेल प्रवेशक राग। उत्तर और दक्षिण के थारों का वर्गीकरण और उससे रागों की उत्पत्ति।	
		खण्ड (ख)(संगीत का इतिहास और रोगों का अध्ययन)	
	इकाई 3	स्वर विस्तार के माध्यम से रागों का विकास और भेद। कठिन अलंकारों की रचना।	
	इकाई 5	गीतों के आलाप, तान, बोलतान सहित लिपिबद्ध करने की क्षमता।	
		प्रयोगात्मक (गायन)	
		उक्त रागों के गीतों में कम से कम एक धमार एवं विलम्बित ख्याल व तराना होगा। धमार में दुगुन, तिगुन, चौगुन लयकारी की क्षमता होनी चाहिए।	
	इकाई 4	पाठ्यक्रम में प्रस्तावित विस्तृत अध्ययन के रागों में छोटे स्वर समुदाय का जब आकार में गाया जाय, तब पहचानने की योग्यता। विद्यार्थी में पाठ्यक्रम के सभी तालों का ठेका तबले पर बजाने की योग्यता होनी चाहिए।	